राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

Pool of Generic Elective (GE)

(Offered by Department of Hindi for All UG Courses)

VII & VIII Semester

Sr. No.	Semester	Paper Type	Paper Name	Page No.
1	VII	GE	• आख्यानपरक हिंदी साहित्य	2-3
			• हिंदी साहित्य का सिनेमा में रुपांतरण	4-5
			• हिंदी साहित्य और सोशल मीडिया	6-7
			• हिंदी साहित्य का इतिहास (भाग 1)	8-9
2	VIII	GE	• हिंदी साहित्य और सांस्कृतिक चिंतन	10-11
			• नाट्य-रूपांतरण	12-13
			• हिंदी शिक्षण	14-15
			• हिंदी साहित्य का इतिहास (भाग 2)	16-17

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
B.A. (Hons.) Hindi
Semester VII – GE
आख्यानपरक हिंदी साहित्य

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE आख्यानपरक हिंदी साहित्य	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- आख्यान की परंपरा एवं स्वरूप की समझ विकसित करना।
- आख्यान की भारतीय परंपराओं की विशेषताओं का ज्ञान प्रदान करना।
- आधुनिक साहित्य के उत्स आख्यानकों से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- पौराणिक एवं ऐतिहासिक आख्यान संबंधी आधारभूत समझ विकसित होगी।
- रामायण तथा महाभारत संबंधी आख्यान का परिचय प्राप्त हो सकेगा।
- बौद्ध कालीन साहित्य संबंधी आख्यान की मान्यताओं का बोध विकसित हो सकेगा।

इकाई – 1 : आख्यानमूलक साहित्य का परिचय **(12 घंटे)**

- आख्यान की भारतीय परंपरा
- आख्यान : स्वरूप, संरचना और प्रकार
- पौराणिक तथा ऐतिहासिक आख्यानकों की सुदीर्घ परंपरा
- आख्यान का साहित्य निर्माण में आधारभूत योगदान

इकाई – 2 : आख्यानमूलक साहित्य का विधागत वैशिष्ट्य **(9 घंटे)**

- कथा साहित्य की आख्यानमूलक परंपरा
- काव्य की आख्यानमूलक परंपरा
- निबंध आदि अन्य गद्य विधाओं की आख्यानमूलक परंपरा

हिन्दी विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय

इकाई – 3 : काव्य की रामायण आधारित आख्यान परंपरा **(12 घंटे)**

- राम विनय – बालमुकुंद गुप्त
- जो पुल बनाएंगे – अज्ञेय
- राम की जल समाधि – भारत भूषण
- संशय की एक रात (चतुर्थ सर्ग, संदिग्ध मन का संकल्प और सवेरा) – नरेश मेहता

इकाई – 4 : गद्य साहित्य की महाभारत तथा बौद्धकालीन आख्यान परंपरा **(12 घंटे)**

- एक और द्रोणाचार्य – शंकर शेष (नाटक)
- कृष्ण का दूत कर्म (महासमर 7, प्रत्यक्ष) – नरेंद्र कोहली (उपन्यास)
- भाव पुरुष श्रीकृष्ण – विद्यानिवास मिश्र (निबंध)
- थेरीगाथा (तेरहवां वर्ग) – डॉ. भरत सिंह उपाध्याय (लघुकथा)

सहायक ग्रंथ :

1. चंदेल, उमापति राय; पौराणिक आख्यानों का विकासात्मक अध्ययन, कोणार्क प्रकाशन, दिल्ली।
2. मेहता, नरेश; काव्य का वैष्णव व्यक्तित्व, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।
3. गुप्त, गणपतिचंद्र; हिंदी भाषा एवं साहित्य कोश, सस्ता साहित्य मंडल, नयी दिल्ली।
4. अग्रवाल, वासुदेव शरण; भारत सावित्री, सस्ता साहित्य मंडल, नयी दिल्ली।
5. मिश्र, विद्यानिवास; महाभारत का काव्यार्थ, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
6. गौड़, रामशरण; पौराणिक आख्यान कोश : कृष्ण काव्य के संदर्भ में।
7. गंगाधरन, वी.; द्विवेदी युगीन आख्यान काव्य, लोकभारती प्रकाशन, नयी दिल्ली।
8. हीरा, राजवंश सहाय; भारतीय साहित्य शास्त्र कोश, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी, पटना, बिहार।
9. त्रिपाठी, राधावल्लभ; श्रेष्ठ पौराणिक कहानियां।
10. एनसाइक्लोपीडिया ऑफ इंडियन लिटरेचर, साहित्य अकादमी में आख्यान प्रविष्टि।

दिल्ली विश्वविद्यालय

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

B.A. (Hons.) Hindi

सेमेस्टर VII – GE

हिंदी साहित्य का सिनेमा में रुपांतरण

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE हिंदी साहित्य का सिनेमा में रुपांतरण	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- साहित्य एवं सिनेमा के रूपांतरण की आधारभूत समझ विकसित करना।
- साहित्य एवं सिनेमा के रूपांतरण के मूल सिद्धांतों से परिचय कराना।
- सिनेमा में रूपांतरण के कला एवं तकनीकी पक्ष की मूल मान्यताओं से परिचय करवाना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- साहित्य एवं सिनेमा में रूपांतरण की आधारभूत समझ विकसित होगी।
- साहित्य एवं सिनेमा रूपांतरण के मूल सिद्धांतों से परिचय प्राप्त हो सकेगा।
- सिनेमा में रूपांतरण के कला एवं तकनीकी पक्ष की मूल मान्यताओं का बोध विकसित होगा।

इकाई – 1 : साहित्य एवं सिनेमा : अर्थ, स्वरूप एवं महत्व **(12 घंटे)**

- साहित्य एवं सिनेमा : परिभाषा, अर्थ एवं स्वरूप
- साहित्य एवं सिनेमा के भेद, तत्व एवं प्रकार
- साहित्य सिनेमा का अंतःसंबंध
- साहित्य सिनेमा की विकास यात्रा

इकाई – 2 : हिंदी साहित्य का सिनेमा में रूपांतरण **(9 घंटे)**

- हिंदी साहित्य का सिनेमा में रूपांतरण : स्वरूप एवं महत्व
- हिंदी एवं हिंदीतर साहित्य पर आधारित फिल्मों का संक्षिप्त परिचय
- विभिन्न साहित्यिक विधाओं का सिनेमा में रूपांतरण

- हिंदी साहित्य एवं सिनेमा : रूपांतरण की समस्याएं

इकाई – 3 : साहित्य एवं सिनेमा के रूपांतरण की रचना प्रक्रिया **(12 घंटे)**

- शब्द, वाक्य, कथोपकथन बनाम शॉट, सीन, संवाद
- काव्य, पाठक, लेखक बनाम सिनेमा में गीत, दर्शक, निर्देशक
- दृश्य रूपांतरण का तकनीकी पक्ष : दृश्य निर्माण, सिनेमैटोग्राफी
- सिनेमा में रूपांतरण का कला पक्ष : अभिनय, भाषा एवं संवाद

इकाई – 4 : हिंदी साहित्यिक कृतियों पर आधारित फिल्मों का अध्ययन **(12 घंटे)**

- काली आंधी (कमलेश्वर) – आंधी (गुलजार, 1975)
- शतरंज के खिलाड़ी (प्रेमचंद) – शतरंज के खिलाड़ी (सत्यजीत रे, 1977)
- कोहबर की शर्त (केशव प्रसाद मिश्र) – नदिया के पार (गोविंद मुनीश, 1982)
- दुविधा (विजयदान देथा) – पहेली (अमोल पालेकर, 2005)

सहायक ग्रंथ :

1. ब्रह्मात्मज, अजय; सिनेमा की सोच, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
2. ओझा, अनुपम; भारतीय सिने सिद्धांत, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
3. अख्तर, ज़ावेद; सिनेमा के बारे में, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. अग्रवाल, प्रहलाद; हिंदी सिनेमा आदि से अनंत (चार खंड), साहित्य भंडार, इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश।
5. चड्ढा, मनमोहन; हिंदी सिनेमा का इतिहास, सचिन प्रकाशन, दिल्ली।
6. भारद्वाज, विनोद; सिनेमा कल आज कल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
7. पांडेय, आलोक रंजन (संपादक); हिंदी सिनेमा और समाज : युग संदर्भ, नटराज प्रकाशन, दिल्ली।
8. कुमार, विपुल; साहित्य और सिनेमा : अंतःसंबंध और रूपांतरण, मनीष प्रकाशन, दिल्ली।
9. प्रसाद, कमला (संपादक); फ़िल्म का सौंदर्यशास्त्र और भारतीय सिनेमा, शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली।
10. कुमार, हरीश; सिनेमा और साहित्य, संजय प्रकाशन, दिल्ली।

दिल्ली विश्वविद्यालय

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

B.A. (Hons.) Hindi

सेमेस्टर VII – GE

हिंदी साहित्य और सोशल मीडिया

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE हिंदी साहित्य और सोशल मीडिया	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- विद्यार्थियों को हिंदी और सोशल मीडिया के आपसी संबंधों की समझ प्रदान करना।
- डिजिटल युग में हिंदी साहित्य के विकास, सोशल मीडिया के प्रभाव, भाषा के बदलाव, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, और साहित्य के भविष्य की संभावनाओं पर ध्यान केंद्रित कराना।
- सोशल मीडिया के नए माध्यमों से परिचित कराना और डिजिटल लेखन में उनकी सृजनात्मकता को विकसित कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- हिंदी साहित्य के डिजिटल स्वरूप को समझ सकेंगे।
- सोशल मीडिया पर हिंदी भाषा के प्रयोग और उसके प्रभाव का विश्लेषण कर सकेंगे।
- डिजिटल लेखन और सोशल मीडिया पर साहित्यिक अभिव्यक्ति के नए रूपों की पहचान कर सकेंगे।

इकाई – 1 : सोशल मीडिया : अर्थ एवं अवधारणा **(9 घंटे)**

- सोशल मीडिया के विविध रूप
- सोशल मीडिया : भाषा, समाज और संस्कृति
- मुख्यधारा और सोशल मीडिया

इकाई – 2 : जन जागरूकता एवं जन जागरण **(12 घंटे)**

- जनभागीदारी, जन जागरूकता एवं सोशल मीडिया
- जन आंदोलन एवं सोशल मीडिया
- जन संपर्क एवं जनमत निर्माण

- नियमन का प्रश्न और सोशल मीडिया

इकाई – 3 : सोशल मीडिया का व्यावसायिक परिप्रेक्ष्य **(12 घंटे)**

- मार्केटिंग और सोशल मीडिया
- रोजगार और सोशल मीडिया : ब्लॉग लेखन, पॉडकास्ट, शॉर्ट्स एवं रील
- सोशल मीडिया एवं साहित्य : व्यावसायिक परिप्रेक्ष्य
- व्यवसायिक प्रतिस्पर्धा एवं सोशल मीडिया

इकाई – 4 : हिंदी साहित्य और सोशल मीडिया **(12 घंटे)**

- साहित्य और सोशल मीडिया का अंतर्संबंध
- सोशल मीडिया : स्थिति और संभावनाएं
- सोशल मीडिया पर हिंदी लेखन (फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप)
- साहित्यकारों की डिजिटल उपस्थिति : हिंदी समय, प्रसार भारती आदि

सहायक ग्रंथ :

1. प्रकाश, अरुण; डिजिटल युग में हिंदी साहित्य।
2. सिंह, डॉ. राजेंद्र प्रसाद; हिंदी साहित्य और समकालीन परिदृश्य।
3. कुमार, विनय; सोशल मीडिया का भाषाई प्रभाव।
4. शर्मा, संजय; ब्लॉगिंग और डिजिटल लेखन।
5. कुमार, नवीन; डिजिटल साहित्य की अवधारणा।
6. द्विवेदी, संजय (संपादक); सोशल नेटवर्किंग : नए समय का संवाद, यश पब्लिकेशंस, दिल्ली।
7. द्विवेदी, संजय (संपादक); मीडिया भूमंडलीकरण और समाज।
8. रमा; सोशल मीडिया और स्त्री, नॉर्दन बुक सेंटर, नयी दिल्ली।

B.A. (Hons.) Hindi
Semester VII – GE
हिंदी साहित्य का इतिहास (भाग 1)

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE हिंदी साहित्य का इतिहास (भाग 1)	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives):

- हिंदी साहित्य के इतिहास की जानकारी प्रदान करना।
- नामकरण एवं काल विभाजन का बोध कराना।
- साहित्य इतिहास के ग्रंथों से परिचय कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- हिंदी साहित्य के इतिहास का ज्ञान हो सकेगा।
- इतिहास निर्माण की पद्धति से परिचित हो सकेंगे।
- साहित्य इतिहास के ग्रंथों से अवगत हो सकेंगे।

इकाई – 1 : हिंदी साहित्य का इतिहास लेखन (12 घंटे)

- इतिहास की परिभाषा एवं स्वरूप
- हिंदी साहित्य के इतिहास का उद्भव एवं विकास
- हिंदी साहित्य – नामकरण एवं काल विभाजन

इकाई – 2 : आदिकाल (9 घंटे)

- आदिकाल की पृष्ठभूमि
- सिद्ध, नाथ एवं जैन साहित्य
- रासो एवं लौकिक काव्य

इकाई – 3 : भक्तिकाल **(12 घंटे)**

- भक्ति आंदोलन : उद्भव एवं विकास
- निर्गुण भक्ति काव्यधारा
- सगुण भक्ति काव्यधारा

इकाई – 4 : रीतिकाल **(12 घंटे)**

- रीतिकाल : युगीन परिस्थितियां
- रीतिबद्ध और रीतिसिद्ध काव्य
- रीतिमुक्त एवं अन्य काव्य धाराएं

सहायक ग्रंथ :

1. शुक्ल, रामचंद्र; हिंदी साहित्य का इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
2. द्विवेदी, हजारी प्रसाद; हिंदी साहित्य की भूमिका, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
3. द्विवेदी, हजारी प्रसाद; हिंदी साहित्य का उद्भव और विकास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. त्रिपाठी, विश्वनाथ; हिंदी साहित्य का सरल इतिहास, ओरिएंट ब्लैकस्वान, नोएडा, उत्तर प्रदेश।
5. चतुर्वेदी, रामस्वरूप; हिंदी साहित्य एवं संवेदना का विकास, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
6. डॉ. नगेंद्र / डॉ. हरदयाल (संपादक); हिंदी साहित्य का इतिहास, मयूर बुक्स, दिल्ली।
7. सिंह, बच्चन; हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
8. गुप्त, गणपति चंद्र; हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
9. पांडेय, मैनेजर; साहित्य और इतिहास दृष्टि, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
10. शर्मा, नलिन विलोचन; साहित्य का इतिहास दर्शन, अनन्य प्रकाशन, दिल्ली।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

B.A. (Hons.) Hindi

सेमेस्टर VIII – GE

हिंदी साहित्य और सांस्कृतिक चिंतन

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE हिंदी साहित्य और सांस्कृतिक चिंतन	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- हिंदी साहित्य की आधारभूत समझ विकसित करना।
- सांस्कृतिक चिंतन के मूल सिद्धांतों से परिचय कराना।
- साहित्य और संस्कृति के अंतर्संबंधों से अवगत कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थियों में हिंदी साहित्य संबंधी आधारभूत समझ विकसित होगी।
- सांस्कृतिक चिंतन के मूल सिद्धांतों से परिचय प्राप्त हो सकेगा।
- साहित्य और संस्कृति के अंतर्संबंधों के साथ मूल मान्यताओं का बोध विकसित होगा।

इकाई – 1 : संस्कृति : परिचय एवं स्वरूप **(12 घंटे)**

- संस्कृति की अवधारणा
- सभ्यता और संस्कृति का अंत:संबंध
- भारतीय समाज और संस्कृति

इकाई – 2 : भारतीय सांस्कृतिक चिंतन परंपरा **(9 घंटे)**

- वैदिक चिंतन
- जैन चिंतन
- बौद्ध चिंतन

इकाई – 3 : हिंदी साहित्य में सांस्कृतिक चिंतन एवं दृष्टि (पद्य) **(12 घंटे)**

- तुलसीदास – रामलला नहछू (पद संख्या – 2, 3, 5, 9 एवं 19)
- गुरुनानक – नानक वाणी, जयराम मिश्र, मित्र प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, इलाहाबाद (पद संख्या – 9, 12, 22, 38 एवं 16{1})
- मलिक मुहम्मद जायसी – पद्मावत, रामचंद्र शुक्ल (संपादक), लोकभारती प्रकाशन, नयी दिल्ली (पद – षट् ऋतु वर्णन खंड : 2, 5, 6, 9 एवं 10)
- जयशंकर प्रसाद – कामायनी, विश्वंभर मानव, लोकभारती प्रकाशन, नयी दिल्ली (पद – आनंद सर्ग : 47, 52, 57, 77 एवं 78)

इकाई – 4 : हिंदी साहित्य में सांस्कृतिक चिंतन एवं दृष्टि (गद्य) **(12 घंटे)**

- हजारी प्रसाद द्विवेदी – भारतीय संस्कृति की देन (निबंध)
- विद्यानिवास मिश्र – हल्दी – दूब और दधि – अच्छत (निबंध)
- फणीश्वरनाथ रेणु – सिरपंचमी का सगुन (कहानी)
- कुबेर नाथ राय – रस आखेटक (निबंध)

सहायक ग्रंथ :

1. शुक्ल, आचार्य रामचंद्र; हिंदी साहित्य का इतिहास, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
2. दिनकर, रामधारी सिंह; संस्कृति के चार अध्याय, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
3. गुलाबराय, बाबू; भारतीय संस्कृति की रूपरेखा, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली।
4. धर्मपाल; भारतीय चित्त, मानस और काल, पुस्तकायन ट्रस्ट, अहमदाबाद, गुजरात।
5. बदरीनारायण; लोक संस्कृति में इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।
6. अग्रवाल, वासुदेवशरण; कला और संस्कृति, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना, बिहार।
7. उपाध्याय, कृष्णदेव; लोक संस्कृति, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।
8. पांडेय; गोविंद चंद्र, वैदिक संस्कृति, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
9. पांडेय, नंद किशोर, आधुनिक हिंदी साहित्य और संस्कृति बोध, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020
B.A. (Hons.) Hindi
सेमेस्टर VIII – GE
नाट्य रूपांतरण

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE नाट्य रूपांतरण	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- हिंदी नाट्य साहित्य के अंतर्गत नाट्य रूपांतरण के इतिहास से परिचित कराना।
- नाट्य रूपांतरण की प्रक्रिया और तकनीक की जानकारी प्रदान करना।
- रूपांतरण हेतु संपादन कला की समझ विकसित करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी हिंदी नाट्य साहित्य के अंतर्गत नाट्य रूपांतरण के इतिहास से परिचित होंगे।
- नाट्य रूपांतरण की प्रक्रिया और तकनीक की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- रूपांतरण हेतु संपादन कला की समझ विकसित होगी।

इकाई – 1 : नाट्य रूपांतरण की अवधारणा **(9 घंटे)**

- नाट्य रूपांतरण : अर्थ एवं स्वरूप
- नाट्य रूपांतरण : प्रक्रिया
- नाट्य रूपांतरण : रंग तकनीक
- नाट्य रूपांतरण हेतु संपादन

इकाई – 2 : हिंदी कहानी का रंगमंच **(12 घंटे)**

- हिंदी कहानी का रंगमंच : इतिहास
- संपादन की प्रक्रिया और नाट्य रूपांतरण
- कहानी : मूल पाठ का संरक्षण और रंग-आलेख
- तीन एकांत : देवेंद्रराज अंकुर द्वारा किया गया नाट्य रूपांतरण

इकाई – 3 : हिंदी उपन्यास का रंगमंच **(12 घंटे)**

- हिंदी उपन्यास के रंगमंच की विकास यात्रा
- उपन्यास के संपादन एवं रूपांतरण की रंग तकनीक
- उपन्यास के मूल पाठ का संरक्षण और रंग-आलेख
- कुरु कुरु स्वाहा : रंजीत कपूर द्वारा किया गया नाट्य रूपांतरण

इकाई – 4 : हिंदी कविता का रंगमंच **(12 घंटे)**

- हिंदी कविता के रंगमंच की विकास-यात्रा
- कविता का संपादन एवं रंग-तकनीक
- काव्य नाट्य रूपांतरण : मूल पाठ का संरक्षण
- राम की शक्ति पूजा : व्योमेश शुक्ल द्वारा किया गया नाट्य रूपांतरण

सहायक ग्रंथ :

1. वर्मा, निर्मल; तीन एकांत (धूप का एक टुकड़ा, डेढ़ इंच ऊपर, वीक एंड), राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. आनंद, महेश; कहानी का रंगमंच, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नयी दिल्ली।
3. अंकुर, देवेंद्रराज; रंग कोलाज, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. आनंद, महेश; रंग दस्तावेज़, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नयी दिल्ली।
5. शुक्ल, व्योमेश; झांकी (नाट्यालेख), राम की शक्ति पूजा।
6. आनंद, महेश / अंकुर, देवेंद्रराज; रंगमंच के सिद्धांत, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
7. अंकुर, देवेंद्रराज; रंगमंच का सौंदर्यशास्त्र, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
8. https://www.youtube.com/watch?v=WnoNKhwPAts : देवेंद्रराज अंकुर से अमिताभ श्रीवास्तव की बातचीत।
9. Adaptation in contemporary Theatre: Performing Literature, Frances, Bloomsbury Collections, New York, USA.

B.A. (Hons.) Hindi
सेमेस्टर VIII – GE
हिंदी शिक्षण

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE हिंदी शिक्षण	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- भाषा शिक्षण की अवधारणा, महत्व, राष्ट्रीय, सामाजिक और शैक्षिक संदर्भ से परिचित कराना।
- भाषा शिक्षण की आधारभूत संकल्पनाओं का ज्ञान देना।
- हिंदी शिक्षण के अंतर्गत भाषाई कौशलों एवं भाषा परीक्षण की विभिन्न पद्धतियों की जानकारी देना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी भाषा शिक्षण की अवधारणा और महत्व से परिचित हो सकेंगे।
- भाषा शिक्षण की संकल्पनाओं और राष्ट्रीय, सामाजिक, शैक्षिक एवं भाषिक संदर्भों को जान सकेंगे।
- विभिन्न भाषाई कौशलों के साथ शिक्षण, मीडिया, अभिनय आदि क्षेत्र में प्रतिभा का विकास कर सकेंगे।

इकाई – 1 : भाषा शिक्षण की अवधारणा (9 घंटे)

- भाषा शिक्षण का अभिप्राय एवं उद्देश्य
- भाषा शिक्षण का राष्ट्रीय, सामाजिक, शैक्षिक और भाषिक संदर्भ
- शिक्षण और प्रशिक्षण
- अर्जन और अधिगम

इकाई – 2 : भाषा शिक्षण की आधारभूत संकल्पनाएं एवं शिक्षण विधियां (12 घंटे)

- प्रथम भाषा, मातृ भाषा तथा अन्य भाषा (द्वितीय एवं विदेशी) की संकल्पना
- मातृ भाषा तथा अन्य भाषा शिक्षण के उद्देश्य
- मातृ भाषा, द्वितीय भाषा और विदेशी भाषा का शिक्षण
- सामान्य और विशिष्ट प्रयोजन के लिए भाषा शिक्षण
- भाषा शिक्षण की विभिन्न विधियां (प्रत्यक्ष, व्याकरण अनुवाद, श्रव्य भाषा एवं अन्य विधियां)

- भाषा कौशल – सुनना, बोलना, पढ़ना, लिखना
- हिंदी का मातृभाषा के रूप में शिक्षण
- द्वितीय भाषा के रूप में शिक्षण
- विदेशों में हिंदी भाषा शिक्षण

इकाई – 4 : भाषा परीक्षण और मूल्यांकन (12 घंटे)

- भाषा परीक्षण की संकल्पना
- भाषा मूल्यांकन की संकल्पना
- भाषा परीक्षण के विविध प्रकार
- मूल्यांकन के प्रकार

सहायक ग्रंथ :

1. श्रीवास्तव, डॉ. रवींद्रनाथ; भाषा शिक्षण, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
2. श्रीवास्तव, डॉ. रवींद्रनाथ; अनुपयुक्त भाषा विज्ञान : सिद्धांत एवं प्रयोग, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
3. सिंह, अमर बहादुर; अन्य भाषा शिक्षण के कुछ पक्ष (संपादित), केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा।
4. वर्मा, ब्रजेश्वर; भाषा शिक्षण तथा भाषा विज्ञान (संपादित), केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा।
5. तिवारी, भोलानाथ; हिंदी भाषा शिक्षण, लिपि प्रकाशन, दिल्ली।
6. शर्मा,बीना; हिंदी शिक्षण का अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य, नयी किताब, दिल्ली।
7. भोसले, सदानंद; हिंदी भाषा शिक्षण (संपादित), राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
8. सिंह, पांडेय, गुप्ता, डॉ. सावित्री, डॉ. शिवपूजन, डॉ. महिमा; हिंदी शिक्षण, आर. लाल बुक डिपो, मेरठ।
9. सिंह, प्रो. दिलीप; भाषा, साहित्य और संस्कृति शिक्षण, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
10. भाटिया, डॉ. कैलाशचंद; आधुनिक भाषा शिक्षण, तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली।
11. बालकुमार, एम. (संपादक); सूचना युग में हिंदी शिक्षण एवं परीक्षण : समस्याएं एवं परिप्रेक्ष्य, भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर, कर्नाटक।

B.A. (Hons.) Hindi

सेमेस्टर VIII – GE

हिंदी साहित्य का इतिहास (भाग 2)

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE हिंदी साहित्य का इतिहास (भाग 2)	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives):

- आधुनिक हिंदी साहित्य के इतिहास की जानकारी प्रदान करना।
- आधुनिकता की अवधारणा विकसित करना।
- हिंदी गद्य की विकास यात्रा से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- आधुनिक हिंदी साहित्य के इतिहास का ज्ञान हो सकेगा।
- आधुनिकता के स्वरूप से परिचित हो सकेंगे।
- हिंदी गद्य की विकास यात्रा से परिचित हो सकेंगे।

इकाई – 1 : भारतेंदु एवं द्विवेदी काल **(12 घंटे)**

- आधुनिकता एवं नवजागरण की अवधारणा
- भारतेंदु युग और स्वाधीनता आंदोलन
- द्विवेदी भारतेंदु युग : खड़ी बोली आंदोलन

इकाई – 2 : छायावाद, प्रगतिवाद और प्रयोगवाद **(12 घंटे)**

- छायावाद: अर्थ, स्वरूप एवं प्रवृत्तियां
- प्रगतिवाद: अर्थ, स्वरूप एवं प्रवृत्तियां
- प्रयोगवाद: अर्थ, स्वरूप एवं प्रवृत्तियां

इकाई – 3 : नयी कविता एवं अन्य काव्य धाराएं **(9 घंटे)**

- नयी कविता
- साठोत्तरी कविता
- समकालीन कविता

इकाई – 4 : हिंदी गद्य साहित्य : उद्भव एवं विकास **(12 घंटे)**

- कथा साहित्य : कहानी एवं उपन्यास
- नाटक, निबंध और अन्य गद्य विधाएं
- आलोचना

सहायक ग्रंथ :

1. शुक्ल, रामचंद्र; हिंदी साहित्य का इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।
2. त्रिपाठी, विश्वनाथ; हिंदी साहित्य का सरल इतिहास, ओरिएंट ब्लैकस्वान, नोएडा, उत्तर प्रदेश।
3. चतुर्वेदी, रामस्वरूप; हिंदी साहित्य एवं संवेदना का विकास, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
4. डॉ. नगेंद्र, डॉ. हरदयाल (संपादक); हिंदी साहित्य का इतिहास, मयूर बुक्स, दिल्ली।
5. सिंह, बच्चन; हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
6. वाजपेयी, नंददुलारे; आधुनिक साहित्य, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
7. गुप्त, गणपति चंद्र; हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।
8. सिंह, नामवर; छायावाद, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
9. सिंह, नामवर; आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।
10. तिवारी, रामचंद्र; हिंदी का गद्य साहित्य, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, उत्तर प्रदेश।
11. सिंह, बच्चन; आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।
12. शाह, रमेशचंद्र; छायावाद की प्रांसगिकता, वाग्देवी पॉकेट बुक्स, नोएडा, उत्तर प्रदेश।
13. चतुर्वेदी, रामस्वरूप; नयी कविता एक साक्ष्य, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।
14. मुक्तिबोध, गजानन माधव; नयी कविता का आत्मसंघर्ष, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
15. शर्मा, रामविलास; नयी कविता और आस्तित्ववाद, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
16. त्रिपाठी, विश्वनाथ; हिंदी आलोचना, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
17. ओझा, डॉ. दशरथ; हिंदी नाटक उद्भव और विकास, राजपाल एंड संस, दिल्ली।